सड़कों की व्हाइट टॉपिंग

[स्रोत: TOI](#)

केंद्र सरकार **पुराने राष्ट्रीय राजमार्गों को सुदृढ़ बनाने के लिये व्हाइट-टॉपिंग (व्हाइट टॉपिंग) नामक तकनीक का उपयोग करने की नीति विकसित कर रही है**, जिसका उद्देश्य उनके जीवनकाल में वृद्धि करना है।

- **भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (National Highways Authority of India- NHAI) को** रख-रखाव संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिये राष्ट्रीय राजमार्गों के उन्नयन को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया है।
  - **NHAI की** स्थापना **सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय** के तहत **NHAI अधिनियम 1988 के तहत की गई थी**।
  - यह राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना (National Highways Development Project- NHDP) और अन्य परियोजनाओं की निगरानी करता करता है।
  - भारत का राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क लगभग **146,000 किलोमीटर तक फैला हुआ है।**
- **व्हाइट टॉपिंग, पुनर्वास या संरचनात्मक मज़बूती के लिये** मौजूदा **बिटुमिनस सड़कों** (डामर और एग्रीगेट्स के मिश्रण से निर्मित) पर **सीमेंट कंक्रीट (योजित या गैर-योजित) की** 100-200 मिमी. परत **लगाने** की प्रक्रिया है।
  - **सीमेंट कंक्रीट एक निर्माण सामग्री है जो सीमेंट, जल, एग्रीगेट्स (जैसे रेत और बजरी) को** मिलाकर बनाई जाती है तथा प्रायः अक्सर इसकी मज़बूती, स्थायित्व व बहुमुखी क्षमता के कारण सड़कों, पुलों एवं अन्य संरचनाओं के निर्माण के लिये इसमें योजकों का उपयोग किया जाता है।
- यह तकनीक ईंधन की बचत करती है क्योंकि कंक्रीट सड़कों पर वाहन कम ईंधन की खपत करते हैं, **कार्बन उत्सर्जन कम करते हैं**, शहरी उष्मन द्वीप प्रभाव को कम करते हैं तथा वाहन के प्रकाश परावर्तन को बढ़ाकर सुरक्षा में सुधार करते हैं।
  - इसके परावर्तक गुणों के कारण इसे बाहरी प्रकाश व्यवस्था के लिये भी कम ऊर्जा की आवश्यकता होती है।

//

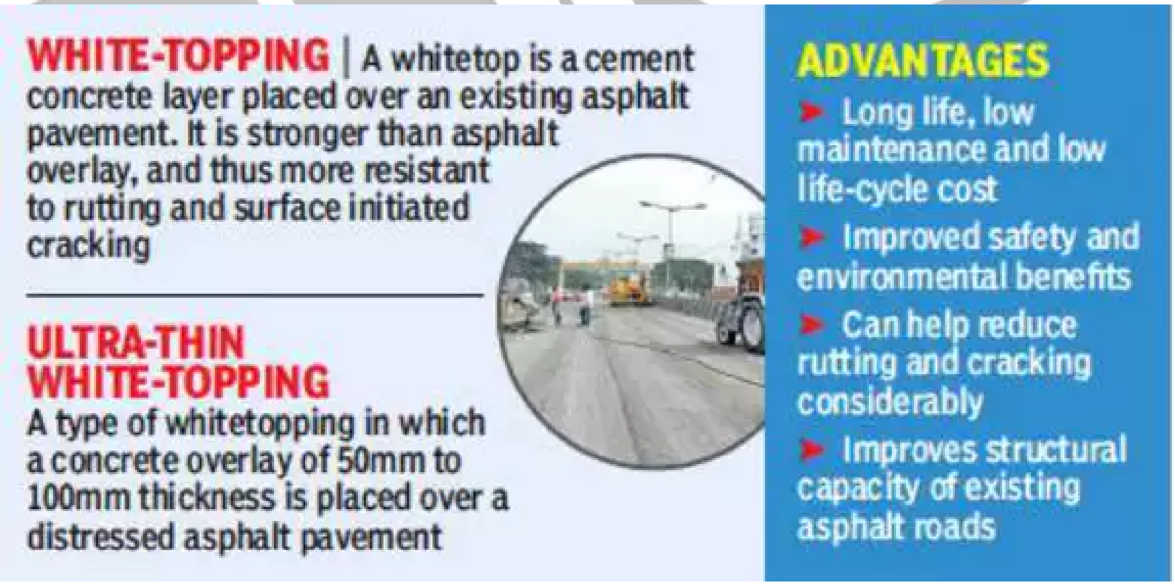

और पढ़ें: NHAI की 'एक वाहन, एक फास्टैग' पहल

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/white-topping-of-roads